तब तक हम इस काम में सफल नहीं हो सकेंगे, लेकिन निरंतर प्रयास यह है कि हम अपने पैरों पर खड़े हो जाएं और हम को इन विदेशी कंपनियों की आवश्यकता न रहे ।

Periodical Checking of Goods Wagons

*124. SHRI GANESH LAL MALI: SHRI KHURSHED ALAM KHAN : SHRI JAGDISH JOSHI :t SHRI KASIM ALI ABID: SHRI PIARE LALL KUREEL : URF TALIB Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that there are a large number of goods wagons with expired or extended date of periodical checkup and docking;

(b) whether it is also a fact that during the last two years a number of derailments were attributable to defective under-carri-age and axle and wheel defects in goods wagons; and

(c) what is being done bv the Railway Administration to ensure that periodical docking and over-hauling is carried out ac-cordina to schedule ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (S\RDAR BUTA SINGH) : (a) Yes Sir. But the position of overdue Periodical overhaul of wagons has improved in recent months.

(b) Yes Sir, but not on account of their beint: overdue periodical overhaul.

(c) Workshop capacity for periodical overhauling of wagons is kept under constant review and the workshop capacity is increased from time to time to match the requirements.

श्री जगदीश जोशी : क्या माननीय मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि जितने एक्सीडेंट्स हुए हैं या डिरेलमेंट्स हुए हैं उनमें क्या विभाग ने इस बात का परीक्षण किया है कि कितने वैगन्स ऐसे लगे थे या इंजन ऐसे लगे थे कि जिनके पीरियडिकल चेकिंग की तारीख खत्म हो गई थी या बढ़ा दी गई थी ? ऐसा कोई स्टेटमेंट विभाग ने बनाया है इस सिलसिले में ? यदि हां, तो वह क्या है ?

श्री बूटा सिंह : श्रीमन्, जो ट्रेन्स के डिरेलमेंट की वजह से एक्सीडेंट्स हुए हैं उनके आंकड़े हमारे पास हैं पिछले तीन, चार साल के । 1973-74 में कुल संख्या ऐसे एक्सीडेंट्स की थी 578, 1974-75 में संख्या थी 696 और 1975-76 में ऐसे एक्सीडेंट्स थे 425 और इन एक्सीडेंट्स में से जो इस कारण से हुए हैं कि वैगन्स जो थे उनकी ओवर हालिंग ओवरड्यू थी उसमें 1973-74 में 578 में कुल 16 थे, 1974-75 में 696 में 23 थे और 1975-76 में 425 में कुल 12 थे ।

श्री जगदीश जोशी : क्या माननीय मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि अक्सर वैगन्स के ऊपर चढ़ कर सामान उतारने वालों के द्वारा जो पार्ट और पुरजों की चोरियां हो जाती हैं वह भी इस तरह के डिरेलमेंट्स का कारण होती हैं ? इस की भी विभाग ने क्या कोई चेकिंग की है इस सिलसिले में ?

श्री बूटा सिंह : जी हां श्रीमन्, ऐसे कुछ कैसेज हुए हैं जिसमें इस प्रकार की घटनायें सामने आयी हैं । उनको हम सेबोटेज का केस मानते हैं । इस तरह के केसेज अक्सर होते रहते हैं । उसकी भी हमारे पास सूचना है । 1974-75 में ऐसे कैसेज 7 हुए और 1975-76 में, पिछले 6 महीनों में ऐसे केसेज 3 हुए हैं ।

Steam Locomotives

~*125. SHRI KHURSHED ALAM KHAN : SHRI GANESH LAL MALI : SHRI JAGDISH JOSHI :t SHRI KASIM ALI ABID : SHRI PIARE LALL KREEL : URF TALIB

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Jagdish Joshi.

(a} whether it is a fact that the Railways have about 8,000 steam locomotives which are mainly used for passenger trains;

(b) whether it is also a fact that most of these locomotives have completed their normal span of life and are not capable of giving; defect-free service; and

(c) what ar$_e$ the Plans of the Railways Administration for repair and renovation of these locomotives or their phasing; out in order to ensure smooth running of trains ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHAMMAD SHAFT QURESHB : (a) to (c) A statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) The Indian Railways have a fleet of 8682 steam locos which are utilised for passenger, mixed, goods, shunting and de partmental traffic.

(b) 13.26 per cent on Broad Gauge and 11.32 per cent on Metre Gauge have com- i pleted their normal span of life of 40 years. All the locos are, however, maintained in good mechanical fettle bv suitable maintenance in puts.

(c) The normal standard life of these locomotives has been extended by replace-ment/renewal of new fire-boxes after 10/15 years, boilers after 20 years and tenders after 30 to 40 years on condition basis. This is being donei on a phased programme by railways with a view to ensure smooth operation.

श्री जगदीश जोशी : क्या मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे कि जो पुराने लोकोमोटिवज् हैं उनके स्थान पर बिजली के लोकोमोटिवज् लगाने में विभाग को क्या अड़चन है ? जहां कोयले से इंजन चलते हैं वहां कोयले को ढोने में बड़ी कठिनाई होती है और अगर इसके बजाय अपने कैप्टिव पावर हाउसेज से बिजली निकालें और रेलगाड़ियां चलाएं तो कालांतर में क्या फर्क पड़ेगा?

شری محمد شفیع قریشی : یہ سجھاؤ تو اچھا ہے - ہماری یہ کوشش ہے کہ ہم اپنے کیپٹیو پاور ہاؤسیز بنائیں تاکہ اس سے بجلی کا اتپادن ہو اور اس سے گاڑیاں چل سکیں — میں آپ کو بتاؤں کہ اسٹیم سے ڈیزل اور ڈیزل سے بجلی میں بدلنے میں کچھ وقت لگتا ہے اور وقت کے ساتھہ یہ تمام چیزیں عمل میں آسکتی ہیں -

†[**श्री मुहम्मद शफी कुरैशी** : यह सुझाव तो अच्छा है । हमारी यह कोशिश है कि हम अपने कैप्टिव पावर हाउस बनायें ताकि इससे बिजली का उत्पादन हो और इससे गाड़ियां चल सकें । मैं आपको बताऊं कि स्टीम से डीजल और डीजल से बिजली में बदलने में कुछ वक्त लगता है और वक्त के साथ यह तमाम चीजें अमल में आ सकती हैं ।]

श्री जगदीश जोशी : क्या मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि स्टीम से डीजल में तो आ रहे हैं लेकिन डीजल से बिजली में इंजनों को लाने और लोकप्रिय बनाने में कितना टाइम लगेगा ? कोयले से सीधा डीजल में न जाने के बजाये बिजली में इंजन तैयार करने की जो योजना है उसके लिये कितने कैप्टिव पावरहाउसेज बनाने की योजना है ?

شری محمد شفیع قریشی : اس وقت 1745 ڈیزل لوکوموٹیو چل رہے ہیں - گریجولی الیکٹرفیکیشن کی تیاری چل رہی ہے - اس کے لئے پہلے بجلی کا اتپادن بہت ضروری ہے -

شری سید احمد ہاشمی : کیا منتری مہودے یہ بتائیں گے کہ ٹونڈلا سے دہلی تک ڈبل لائن

t[.] Hindi Transliteration.

کرنے کا کوئی ارادہ ہے کیوں کہ اس پر کافی ٹریفک ہے کافی بھیڑ بھاڑ ہے اور ٹرینیں بھی لیٹ ہوتی ہیں - اسی طرح وارناسی سے چھپرا تک ڈبل لائین کرنے کا کوئی ارادہ ہے ؟

شری محمد شفیع قریشی : ٹونڈلا سے دھلی تک کی جو ڈبل لائین کی ہماری اسکیم ہے وہ اسی سال دسمبر تک مکمل ہو جائے گی - جہاں تک دوسری بات کا سوال ہے اس کے لئے کوئی اسکیم نہیں ہے -

†[**श्री मुहम्मद शफी कुरैशी** : इस वक्त 1745 डीजल लोको-मोटिव चल रहे हैं । ग्रैज्युअली इलेक्ट्रीफिकेशन की तैयारी चल रही है । इसलिए पहले बिजली का उत्पादन बहुत जरूरी है ।

श्री सैयद अहमद हाशमी : क्या मंत्री महोदय यह बतायेंगे कि टूण्डला से दिल्ली तक डब्बल लाईन करने का कोई इरादा है क्योंकि इस पर काफी ट्रैफिक है, काफी भीड़-भाड़ है और ट्रेनें भी लेट होती हैं । इसी तरह वाराणसी से छपरा तक डबल लाईन करने का कोई इरादा है ।]

श्री मुहम्मद शफी कुरैशी । टूण्डला से दिल्ली तक की जो डब्बल लाईन की हमारी स्कीम है वह इस साल दिसम्बर तक मुकम्मल हो जायेगी । जहां तक दूसरी बात का सवाल है इसके लिये कोई स्कीम नहीं है ।]

SHRI SANAT KUMAR RAHA : Sir, I want to know two things from the hon. Minister. The Railways by using steam locomotives are losing in two ways. Firstly, they are losing by continuing to keep use the overaged steam locomotives which are consuming more and more coal than is usually necessary. Secondly, coal is being pilfered from these steam engines and supplied free of cost to dealers on or near the railway lines. I want to know whether this is a fact and whether the Government is looking into this matter and how they are considering to make the railway system more economical by continuing the use of steam locomotives.

SHRI MOHAMMAD SHAH QURE-SHI : Sir. to maintain economy on the rail-I ways is a constant exercise. The number of overaged steam locomotives is- hardly about 15 per cent. With regard to pilferage and theft of coal, we have been taking certain steps which have given us very good results and further stringent measures will be taken 10 see that there is no thei't of coal.

SHRI SANAT KUMAR RAHA : What is the percentage of overaged steam locomotive ?

SHRI MOHAMMAD SHAH QURE-SHI : The percentage of over-aged steam locomotives is less than 15 per cent, it is not much.

SHRI G. LAKSHMANAN : Will the hon. Minister be pleased to state whether it is a fact that the number of such locomotives which have completed their span of life are more on the Southern Railway than any other Railway in India ?

SHRI MOHAMMAD SHAFI QURE-SHI : Sir, they are spread over all the railways. It is not correct to say that they are concentrated on the Southern Railway.

MR. CHAIRMAN: Nex Question. Shri Dhabe.

Beggar Nuisance

•126. SHRI S. W. DHABE : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state : I

(a) whether Government are aware of beggar nuisance on Railway platforms and trains; and

(b) If so, what steps are being taken to eliminate this nuisance ?

<*[*] Hindi Transliteration.